Regarding Need to address the issues of farmers in Banda Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh-laid

श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल **(बांदा) :** बुंदेलखंड का सारा क्षेत्र कृषि आधारित है । मैं बांदा चित्रकूट से चुनकर आती हूँ तथा मेरे संसदीय क्षेत्र में आर्थिक रूप से टूटा हुआ किसान मौत को गले लगाने में विवश है तथा अगर देखा जाए तो देशभर में बुंदेलखंड में ही किसानों की आत्महत्या के आंकड़े सबसे अधिक है । आज कृषि को लेकर सरकारों की संवेदनहीनता और स्थानीय अन्ना प्रथा सिंचाई के साधनों की कमी और फसल का उचित मूल्य न मिलना जैसी चुनौतियां भी हैं । सरकार ने अन्ना प्रथा की रोकथाम के लिए ग्रामीण गोशालाओं का निर्माण कराया किंतु स्थानीय प्रशासन की ओर से वांछित कदम न उठाए जाने से यह योजना भी आंकड़ों तक सीमित होकर रह गई है । मेरे गृहनगर बबेरू के ग्रामीण क्षेत्रों के गांवों आहार, बड़ागांव, पल्हरी, देवरथा, पंडरी आदि के ग्रामीणों द्वारा एक वीडियो मेरे कार्यालय को उपलब्ध कराया गया है जिसमें लगभग 500 अन्ना गोवंश पकी हुई फसल रौंदते हुए बर्बाद कर रहे हैं जिससे किसानों की आय दोगुना होने का सपना गौवंश द्वारा रौंद दिया गया है । एक और समस्या यह है कि आज भी एक्सप्रेस पर दौड़ते भारत के किसान के खेत तक पहुंचना आसान नहीं है । मेरे संसदीय क्षेत्र में पर्याप्त सिंचाई के साधन नही हैं तथा सिचाई हेतु स्थापित नलकूपों को मुफ्त बिजली देने के वादे पर सरकार खरी नहीं उतर पाई तथा विद्युत आपूर्ति मात्र 8 घंटे कर दी गई है । किसानों का कर्ज एवं फसल का उचित दाम न मिलना भी बहुत ही बड़ी समस्या है ।